जय रघुनन्दन जय सियाराम

जय रघुनन्दन जय सियाराम ।
हे दुखभंजन तुम्हे प्रणाम ||
जय रघुनन्दन जय सियाराम ।

भात भ्रात को हे परमेश्वर,
सेह तुन्ही सिखलाते ।
नर नारी के प्रेम की ज्योति
जग मे तुम्ही जलाते ।
ओ नैया के खेवन हारे,
जपूं मै तुमरो नाम ।।
जय रघुनन्दन जय सियाराम ।

तुम्ही दया के सागर प्रभु जी,
तुम्ही पालन हारे।
चैन तुम्ही से पाए बेकल
मनवा सांझ सवेरे ।
जो भी तुमरी आस लगाये,
बने उसी के काम ||
जय रघुनन्दन जय सियाराम ।